भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1206
उत्तर देने की तारीख-27/07/2026

आईआईटी स्नातकों का प्रवास

†1206. **श्रीमती माला राय:**
क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) से स्नातक होने वाले छात्रों के कैंपस प्लेसमेंट का ब्यौरा क्या है;
(ख) ऐसे प्लेसमेंट प्राप्त स्नातकों में से अन्य देशों में प्रवास करने वालों की संख्या कितनी है; और
(ग) आईआईटी स्नातकों के अन्य देशों में प्रवास करने के क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ग): भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) अत्याधुनिक शैक्षणिक कार्यक्रम और विश्वस्तरीय अवसंरचना प्रदान करते हैं, जो नवाचार और आलोचनात्मक चिंतन की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। अनुसंधान, अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और उद्यमिता के क्षेत्रों में अग्रणी पूर्व विद्यार्थियों के लिए वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त आईआईटी ने दुनिया भर में महत्वपूर्ण प्रभाव डाला है। इनके स्नातकों की उपलब्धि न केवल संस्थानों की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ाती है बल्कि नवाचार, प्रौद्योगिकी और नेतृत्व के केंद्र के रूप में भारत की स्थिति को भी सुदृढ़ करती है।

आईआईटी ने विद्यार्थियों की तैयारियों को बेहतर बनाने, उद्योग सहकार्यता को बढ़ाने और प्लेसमेंट परिणामों में सुधार हेतु कई प्रकार की पहलें की हैं। अपनी पहुंच का विस्तार करने के लिए, आईआईटी अकादमिक-उद्योग सम्मेलन, व्यापार शिखर सम्मेलन और नेतृत्व व्याख्यान आदि का आयोजन करते हैं तथा विश्व स्तरीय कंपनियों के साथ संबंधों को सुदृढ़ करने के लिए अपने व्यापक पूर्व छात्र नेटवर्क का भी लाभ उठाते हैं। विद्यार्थियों को उद्योग जगत का अनुभव प्रदान करने और प्री-प्लेसमेंट ऑफर के अवसरों को बढ़ाने के लिए इंटर्नशिप को भी सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाता है। इसके

अतिरिक्त, आईआईटी व्यावसायिक दुनिया हेतु विद्यार्थियों को अधिक प्रभावी ढंग से तैयार करने के उद्देश्य से उद्योग तत्परता जागरूकता कार्यक्रम, सॉफ्ट स्किल्स कार्यशालाएं, मॉक इंटरव्यू सत्र, प्रेरक एवं तकनीकी व्याख्यान तथा कैरियर विकास कार्यक्रम जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करता है।

इन संस्थानों में छात्रों का प्लेसमेंट प्रचलित बाजार की परिस्थितियों, उच्चतर शिक्षा और अनुसंधान अवसरों की प्राप्ति संबंधी विद्यार्थियों की प्राथमिकताओं तथा उद्यमिता और स्टार्ट-अप में बढ़ती रुचि जैसे कई कारकों पर निर्भर करता है। कई अवर स्नातक विद्यार्थी कैंपस प्लेसमेंट में भाग नहीं लेते और कैंपस के बाहर स्वयं साक्षात्कार में शामिल होने या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने का विकल्प चुनते हैं। इन संस्थानों में कई इनक्यूबेटर और प्री-इंक्यूबेटर विकसित हो रहे हैं, जिसके माध्यम से विद्यार्थी अपने संकाय और उद्योग के सहकार्य से प्रौद्योगिकी आधारित स्टार्ट-अप स्थापित कर रहे हैं, जिससे वे रोजगार तलाशने वालों के बजाय रोजगार सृजनकर्ता बन रहे हैं। इसके अतिरिक्त, उच्चतर शिक्षा संस्थानों में स्थापित इनक्यूबेशन केंद्र प्रौद्योगिकी-आधारित स्टार्ट-अप्स को मार्गदर्शन, अवसंरचना और व्यवसाय विकास संबंधी सहायता प्रदान करके उनका सहयोग करते हैं।

किसी अभ्यर्थी का विदेश जाना उसकी व्यक्तिगत इच्छा और निर्णय का विषय है। इसके अतिरिक्त, उच्चतर अध्ययन या रोजगार के उद्देश्य से अभ्यर्थियों की सीमा पार गतिशीलता वहनीयता, बैंक ऋण की उपलब्धता, विदेशी समाजों का अनुभव, अध्ययन की किसी विशेष शाखा के प्रति अभिरुचि आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर होती है। इसके अतिरिक्त, कई अभ्यर्थी अस्थायी अवधि के लिए विदेश जाते हैं और अपनी पढ़ाई पूरी होने पर या विदेश में कंपनियों में अल्पकालिक अनुभव के लिए काम करने के बाद वापस लौट आते हैं।

सरकार विशेष रूप से ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था के वर्तमान युग में, वैश्विक कार्यस्थल की वास्तविकता को स्वीकार करती है। सरकार ने भारतीय विद्यार्थियों के लिए उच्चतर शिक्षा तक पहुंच में सुधार हेतु कई पहलें की हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्यान्वयन में नीति के तहत निर्धारित पहुंच, समता, समावेशिता और गुणवत्ता के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अनेक पहलें की गई हैं। एनईपी 2020 में शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण तथा भारत को शिक्षा के लिए एक वैश्विक गंतव्य के रूप में स्थापित करने पर भी विशेष बल दिया गया है।

*****